सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 197 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 01 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

श्रमिकों से है समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार : सीएम साय

श्रमिक दिवस पर मुख्यमंत्री साय व श्रममंत्री देवांगन ने दी श्रमवीरों को बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेश के समस्त श्रमवीरों को बधाई दी। इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 1 मई का यह महत्वपूर्ण दिवस उन परिश्रमी हाथों के सम्मान का प्रतीक है, जिनके अथक श्रम, समर्पण एवं निष्ठा से समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार सुदृढ़ होता है। इस मौके पर उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना करना भी मुश्किल है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि श्रमिक वर्ग किसी भी राज्य और राष्ट्र की उन्नति का मूल आधार है। कृषि, उद्योग, निर्माण एवं सेवा क्षेत्र सहित प्रत्येक क्षेत्र में श्रमिकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समावेशी एवं सतत विकास की संकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब श्रमिकों को सम्मान, सुरक्षा एवं अवसर प्राप्त हों। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों एवं उनके परिवारों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनसे उन्हें आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर श्रमिकों से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, कौशल उन्नयन के अवसरों का लाभ उठाएं और प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रमिकों के परिश्रम, समर्पण और प्रतिबद्धता से छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

श्रमिकों के परिश्रम के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर

प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि 1 मई का दिन श्रमिकों के परिश्रम, समर्पण और योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर है। मंत्री देवांगन ने कहा कि श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने श्रमिकों की सामाजिक और आर्थिक खुशहाली के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों सहित सभी जरूरतमंद वर्गों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों और उनके परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित तीनों मंडलों- भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार मंडल और राज्य सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि बीते सवा दो वर्षों में विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 800 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

कमर्शियल सिलिंडर 993 रुपए महंगा रायपुर में 3294 रुपए पहुंची कीमत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में एक मई यानी शुक्रवार से भारी बढोत्तरी की गई है। 19 किलो के कमर्शियल सिलिंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। इससे कमर्शियल सिलेंडल की कीमतों में उछाल आ गया है। राजधानी रायपुर में 19 किलो के सिलिंडर की कीमत 3294.50 रुपए हो गई हैं। बड़ी हुई कीमतों को लागू कर दिया गया है। हालांकि घरेलू सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक देश की सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की खुदरा कीमतों को भी स्थिर रखा गया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आम जनता को प्रभावित करने वाले प्रमुख ईंधनों की दरों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। एटीएफ की कीमतों में हर महीने की पहली तारीख को इनपुट लागत के आधार पर संशोधन किया जाता है। हालांकि, घरेलू एयरलाइनों के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय वाहकों के लिए कीमतों में वृद्धि हुई है।

विधानसभा में महिला आरक्षण पर शासकीय संकल्प पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शासकीय संकल्प विपक्ष की गैरमौजूदगी में पारित किया गया। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर करीब 10 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा हुई। सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच कई बार तीखी नोंक-झोंक भी हुई। इस बीच विपक्ष ने सदन का बहिष्कार कर दिया था।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि आगामी मानसून सत्र जुलाई के दूसरे सप्ताह में संभावित है। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। सदन में परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण लागू करने की मांग की गई। विपक्ष ने कहा कि सदन के बाहर निंदा प्रस्ताव की बात कही गई थी, अब शासकीय संकल्प लाकर चर्चा कर रहे हैं। विपक्ष का कहना था कि जनगणना के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्र सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम लेकर आई, लेकिन विपक्ष ने परिसीमन और जनगणना के मुद्दे को लेकर इसका विरोध किया, जो समझ से परे है। उन्होंने कहा कि परिसीमन होने से क्षेत्र बढ़ते और ज्यादा लोगों को प्रतिनिधित्व का मौका मिलता। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर इसे जल्द लागू करने के संकल्प के साथ काम कर रही है। महिलाओं को आरक्षण देना विपक्ष को रास नहीं आया, इसलिए हर बार बिल का विरोध किया गया।

जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज डूबा 9 शव मिलेः पीएम ने दुःख जताया

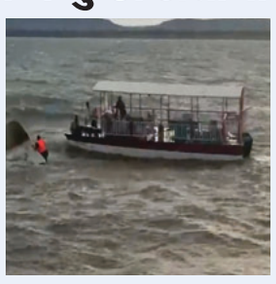

जबलपुर ए.। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। 28 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रशासन के मुताबिक, 4 लोग अभी लापता हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक सवार थे।

हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती रेस्क्यू में स्थानीय ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। शुक्रवार सुबह फिर से रेस्क्यू जारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जताया दुख

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुःख जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार जनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जांच के आदेश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ में 50 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधीः 2 सिस्टम एक्टिव

गर्मी से मिलेगी राहत, 5 दिन बारिश के आसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के सभी संभागों में गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।

इससे पहले, गुरुवार को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम के तेवर देखने को मिले। रायगढ़ और गरियाबंद जिले के कई इलाकों में भीषण गर्मी के बीच जमकर ओले गिरे। गरियाबंद के इंदागांव, उदंती और जुगाड़ क्षेत्र में ओलावृष्टि इतनी तेज थी कि नेशनल हाईवे 130C और खेतों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बीते 24 घंटों के दौरान दक्षिण छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि, गर्मी का असर अब भी बरकरार है, 43.6 डिग्री सेल्सियस के साथ दुर्ग प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जबकि जगदलपुर में न्यूनतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संपादकीय

जिंदगी निगलती रफ्तार

मौत की राह बनती सड़कों पर हो अनुशासन

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है।

> “ सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए।

यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफसे कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो। वक्त आ गया है कि देश में दुर्घटनाओं को टालने के लिए आधुनिक यातायात प्रणाली के अनुसंधान व प्रयोग की दिशा में काम किया जाए।

कार्पोरेट व्यवस्था में श्रमिक हितों के संरक्षण की जरूरत

इन्द्रजीत सिंह

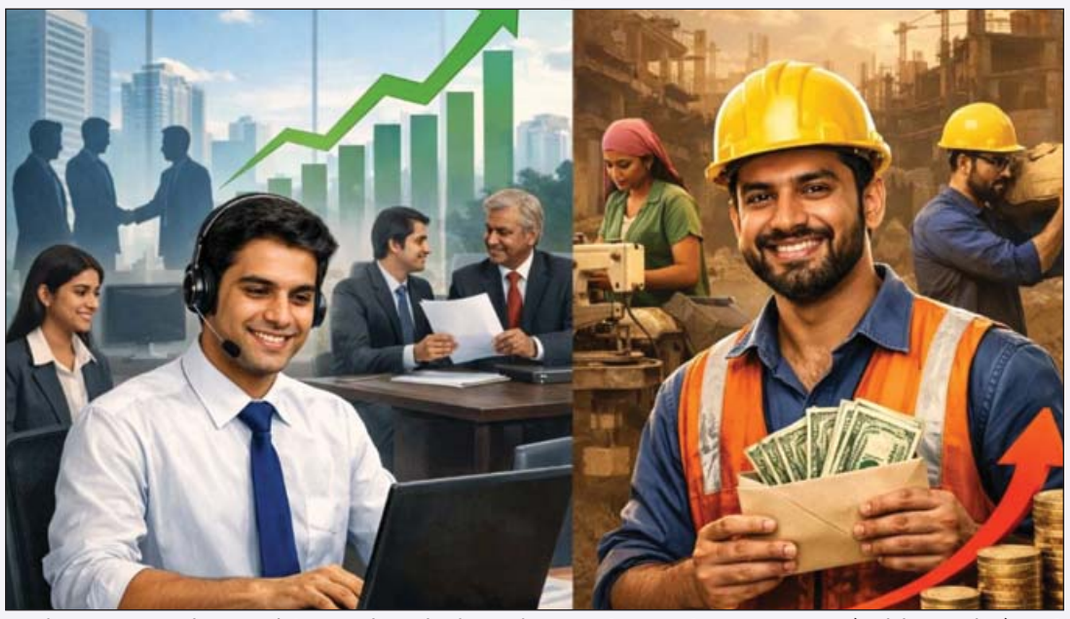

एक मई को सभी देशों के श्रमिक इकट्ठे होकर शोषण, उत्पीड़न व अन्याय वाली व्यवस्था में बदलाव कर समानता का लक्ष्य आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अपनी एकता प्रदर्शित करते हैं जो नये श्रम कानूनों व श्रमिक हितों की मौजूदा चुनौतियों के चलते और अधिक महत्वपूर्ण है।

इस साल मई दिवस यानी मजदूर दिवस अभूतपूर्व परिस्थितियों में आया है। बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक असंतोष सड़कों पर प्रकट हुआ।

ऑटोमोबाइल, गारमेंट जैसे उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की प्रमुख मांगें न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी और प्रतिदिन आठ घंटे से ज्यादा काम लेने पर दोगुना ओवरटाइम थीं। ऐसी मांगों को शायद ही कोई अनुचित कह सके। लेकिन मानेसर, गुड़गांव, भिवाड़ी और नोएडा में फूटे आक्रोश को शांत करने के लिए श्रमिकों की सुनवाई करने की बजाय उन पर पुलिस बल का प्रयोग किया गया। कई गिरफ्तार कर जेल भेजे गए। पिछले दिनों ऐसी ही स्थिति पानीपत रिफाइनरी के श्रमिकों के असंतोष के रूप में सामने आयी।

शासन-प्रशासन की ओर से श्रमिकों के इस स्वत:स्फूर्त असंतोष के पीछे कथित संदिग्ध ताकतों का हाथ बताकर पूरे मामले को रहस्यमय बनाने की कोशिश की। लेकिन असंतोष अभी भी कायम है। वहीं ऊर्जा संकट के कारण गुजरात जैसे प्रदेशों से मजदूर पलायन कर गए हैं। इस ताजा घटनाक्रम के विस्तार में जाने से पहले एक नजर मई दिवस के इतिहास पर डालना जरूरी है।

मई दिवस की शुरुआत साल 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में मई महीने के पहले सप्ताह में हजारों औद्योगिक मजदूरों द्वारा की गई हड़ताल से हुई थी। सड़कों पर आकर 8 घंटे का कार्य दिवस और कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार की मांग को लेकर रोष प्रदर्शनों से निपटने के लिए पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में कुछ मजदूर शहीद हुए। बाद में हिंसा फैलाने के मनगढ़ंत आरोपों में मुकदमे चलाकर 6 श्रमिक नेताओं को मृत्युदंड दिया गया। तभी से दुनिया के श्रमिक अपने उन शहीद साथियों को याद करते हैं जिनकी कुर्बानियों से इस मानवीय नियम को अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता मिली जिसके तहत आठ घंटे काम, आठ घंटे नींद और आठ घंटे परिवार के साथ बिताना।

1889 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस के आह्वान पर 1890 में 1 मई को पहली बार मई दिवस दुनियाभर में मनाया गया। तब से सभी देशों के श्रमिक 1 मई के दिन अपने-अपने शहरों में इकट्ठे होकर शोषण, उत्पीड़न वाली व्यवस्था में बदलाव कर गरिमामय जीवन व समतामूलक समाज की स्थापना के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अन्याय के खिलाफ वे अपनी एकता प्रदर्शित करते हैं। वे साम्राज्यवादी ताकतों के साथ किये जा रहे व्यापार समझौतों के विरोध में अपने-अपने देशों की मार्केट और संप्रभुता की हिफाजत में खड़े होते हैं और युद्धों का विरोध करते हुए विश्व शांति के पक्ष में संकल्प लेते हैं।

बहरहाल, इस समय अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध का खमियाजा पूरे विश्व के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हमेशा की तरह पूंजीवादी सिस्टम के तहत कार्पोरेट जगत अपने मुनाफे की दर बनाए रखने हेतु संकट का बोझ किसान व मजदूर वर्ग के ऊपर डालने के रास्ते पर चल रहा है। ऐसे हाल में गैस की कीमतें बढ़ने से कंपनियों को अपने मुनाफे बनाए रखने के लिए श्रमिकों के काम के घंटे बढ़ाना आसान विकल्प दिखाई देता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के श्रमिकों को खाड़ी युद्ध की वजह से ऊर्जा के दाम बढ़ने और बेतहाशा महंगाई के कारण 8-10 हजार रुपये के मामूली वेतन में गुजारा करना असंभव हो गया। मकान किरायों में बढ़ोतरी, बच्चों की स्कूल फीस व स्वास्थ्य खर्च वृद्धि आदि के कारण मजदूर अपना गुजारा नहीं चला सकते हैं।

आंदोलन भड़कने के उपरांत आनन-फानन में राज्य सरकारों ने न्यूनतम वेतन में जो वृद्धि की है वह नाकाफी है बल्कि उनका अनुपालन नहीं करवाया जाता है। इसके अलावा एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है जिसे 'पीस रेट' के तहत लगाया हुआ है। संगठित क्षेत्र के ये ऐसे मजदूर हैं जो असंगठित हैं। इनकी कोई वैधानिक सामाजिक सुरक्षा व दुर्घटनाओं से सुरक्षा नहीं जबकि जोखिमपूर्ण कार्य स्थितियों में इन्हें काम करना पड़ता है। शोषण के शिकार ऐसे तबकों का आवाज उठाना स्वाभाविक है।

ख्वाबता दें कि नव-उदारवाद के दौर में कार्पोरेट के मंसूबों के चलते वर्ष 2020 में सभी 29 श्रम कानूनों को हटाकर उनकी जगह पर चार श्रम संहिता (लेबर कोड) संसद में पारित किए गए। ट्रेड यूनियनों के तीखे विरोध के बावजूद 21 नवंबर 2025 में इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई।

देश की सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों का मानना है कि चार श्रम संहिता लागू होने की स्थिति में काम के घंटों में वृद्धि होगी, यूनियनों का पंजीकरण करवाना कठिन होगा, हड़ताल करने पर दंडात्मक कारवाई की जा सकेगी, स्थाई रोजगार की बजाय ठेका प्रणाली का प्रचलन बढ़ेगा और भर्ती व हटाना आसान होगा। यही नहीं, 300 तक श्रमिक संख्या वाले उद्योगों को श्रम विभाग की अनुमति के बिना मजदूरों को हटाने की छूट रहेगी।

इसके चलते श्रम विभाग निरर्थक होकर रह जाएगा वहीं श्रमिकों की स्थिति बंधुआ जैसी हो सकती है। लेबर कोड के पक्ष में जैसी दलीलें दी जा रही हैं ठीक वैसी तीन कृषि कानूनों के संबंध में दी गई थी जिन्हें आंदोलन के बाद वापस करवाया गया था। इस समय मजदूरों के साथ किसान संगठन भी खड़े हो रहे हैं। जो आशाजनक संकेत कहे जा सकते हैं।

लेखक अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

किटी पार्टियां बुक क्लब्स से किताब का एक पन्ना ले सकती हैं!

एन. रघुरामन

85 साल की बेकी नेडेलमैन आज भी अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अपना क्लब चलाती हैं। 2001 में शुरू हुए इस क्लब के सदस्य हर महीने मिलते हैं। कुछ सदस्य तो 90 से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कभी मासिक मीटिंग मिस नहीं की। हमारी किटी पार्टियों की तरह यह भी किसी एक महिला के घर पर होती है, जो मौसम के हिसाब से स्नैक्स और ड्रिंक्स का इंतजाम करती हैं।

यह साथ उनकी जिंदगी के हर दौर से गुजरा है- शादी से मां बनने तक और बीमारी से तलाक तक। सदस्य तभी कम होते हैं, जब दुर्भाग्य से कोई गुजर जाए या कहीं और चला जाए। बेकी कहती हैं कि हर गुजरते साल के साथ इसका भावनात्मक महत्व और बढ़ता है। ये मुलाकातें जितनी लंबी चलती हैं, उतना ही वे एक-दूसरे के लिए अहम बनती जाती हैं। आज वे उस उम्र में हैं, जहां कभी-कभी दोस्तों को खो देती हैं। कई ने अपने पति भी खो दिए हैं। इसीलिए ये मीटिंग्स और भी अहम हो जाती हैं।

तो मिल कर वे क्या करती हैं? वे किताबें पढ़ती हैं। हां, सही पढ़ा। यही उनकी किटी पार्टी है। 25 वर्षों में उन्होंने 252 किताबें पढ़ ली हैं। ये सदस्य हर किताब पर जीवंत बहस करते हैं। सदस्यों के दिमागी तौर पर खुलेपन के कारण यह क्लब चल रहा है। किसी को लेखक पसंद आता है, लेकिन उसकी किताब नहीं।

किसी के विचार इससे उलट होते हैं। कुछ सोचते हैं कि लेखक को किताब का अंत कैसे करना चाहिए था। यही बहस हर मीटिंग के बाद उन्हें और समझदार बनाती है, क्योंकि उन्हें एक ही किताब पर कई नजरिए सुनने को मिलते हैं। इससे उन्हें एक विषय को विविध नजरियों से देखने में मदद मिलती है।

हममें से कई लोगों ने देखा होगा कि हमारी मासिक मीटिंग्स घटती रुचि, समय न मिलने, घरेलू कारणों, यात्रा या रिश्तेदारों से जुड़े मसलों के कारण खत्म हो जाती हैं। लेकिन 'बेकीज बुक क्लब' की हर मीटिंग में आज भी जीवंत बहस होती है। किताब या लेखक के बारे में हर महिला की राय को दूसरे धैर्य से सुनते हैं और बहस करते हैं, क्योंकि यह पुराने दोस्तों का समूह है- जो गपशप नहीं, साहित्य पर बात करने जुटते हैं।

अमेरिका में महिलाओं के अलग-अलग क्लब होते हैं- जैसे इन्वेस्टमेंट क्लब, जहां निवेश पर चर्चा होती है। प्लान्ड पैरेंटहुड क्लब, जहां माता-पिता बनने से पहले की तैयारियां साझा होती हैं। ऐसे ही बेकीज बुक क्लब में सिर्फ साहित्य प्रेमी और सच्चे बुक-रीडर हैं।

जून 2001 से यह समूह 252 किताबें पढ़ चुका है और हर किताब का विस्तृत रिकॉर्ड रख रहा है। समूह समकालीन साहित्य पढ़ता है, लेकिन बीच-बीच में वे क्लासिक्स भी पढ़ लेते हैं। जो चीज इस समूह को खास और बिना रुकावट चलने वाला बनाती है, वह यह है कि हर सदस्य अलग-अलग विषयों की किताबें पढ़ने को तैयार रहता है। वे कोई विचार यह कहकर नहीं ठुकराते कि 'मुझे ऐसी किताबें पढ़ना पसंद नहीं।'

पढ़ना उम्रदराज लोगों के दिमाग को गॉसिप से दूर रखकर साझा बौद्धिक चर्चा से जोड़ता है, जिससे स्थिर व रचनात्मक समुदाय बनता है। अलग-अलग साहित्य पर जीवंत चर्चा सदस्यों को सक्रिय व बौद्धिक तौर पर मजबूत रखती है। यह मेंटल वर्कआउट जैसा है, जो 90 की उम्र में भी कॉग्निटिव क्षमता मजबूत रखता है।

रिसर्च बताती है कि ऐसा कॉग्निटिव स्टिमुलेशन दिमाग के न्यूरल पाथ-वे को सक्रिय रख कर डिमेंशिया, अल्जाइमर से लंबे समय बचाए रख सकता है। अध्ययन ये भी बताते हैं कि किताबें पढ़ने वाले लोग उन लोगों से ज्यादा जीते हैं, जो नहीं पढ़ते। मानसिक सक्रियता और बेकीज जैसे क्लब्स में मिलने वाले सामाजिक सहारे का कॉम्बिनेशन बढ़ती उम्र में एक ताकतवर 'सर्वाइवल एडवांटेज' बनाते हैं।

ये क्लब्स स्ट्रेस मैनेजमेंट के अलावा अकेलेपन से जूझने में मदद करते हैं। उद्देश्य देते हैं, जैसे 252 किताबें पढ़ना। और सबसे अहम, बुजुर्गों को अपनी जिंदगी जीने में मदद करते हैं। यह निजी पीड़ा को साझा मानवीय अनुभवों में बदल देते हैं।

फंडा यह है कि अगर हमारी किटी पार्टियों में कम से कम 100 पेज की किताबें पढ़ना शुरू करें तो इससे हमारी समझदार महिलाओं का ज्ञान जीवन के कई पहलुओं में और अधिक समृद्ध हो सकता है।

सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की बन रही नई पहचान

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
उप संचालक (जनसंपर्क)

◆ छत्तीसगढ़ में आर्थिक और सामाजिक सशक्त हो रहीं महिला श्रमिक

हर वर्ष 1 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर होता है। छत्तीसगढ़ में यह दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनका योगदान पहले से अधिक प्रभावी होता जा रहा है।

राज्य के ग्रामीण अंचलों में महिलाएं लंबे समय से कृषि कार्य, वनोपज संग्रहण, तेंदूपत्ता तोड़ने और हस्तशिल्प जैसे कार्यों में सक्रिय रही हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति निर्माण कार्य, घरेलू सेवाओं और लघु व्यवसायों में तेजी से बढ़ी है। यह बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी नई मजबूती दे रहा है। इसके बावजूद यह भी सच है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला श्रमिकों को लंबे समय तक उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। वेतन असमानता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभों की कमी और पारंपरिक सोच जैसी बाधाएं उनके सामने बनी रहीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। नई श्रमिक नीतियों के जरिए असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। महिला शक्ति केंद्रों को केवल सहायता केंद्र नहीं, बल्कि परामर्श, कानूनी सहयोग और रोजगार मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर के जरिए हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है। राज्य में संचालित विभिन्न योजनाएं महिला श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसूति के बाद 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे आर्थिक दबाव कम होता है। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना महिलाओं को स्वरोजगार की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जबकि निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों को, जिनका कम से कम तीन वर्षों का पंजीयन है, एक लाख रुपये तक की सहायता देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं को आय के साधन मिलने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी मिल रहा है। राज्य सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम महिला श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ रहे हैं। घरेलू कामगारों, ठेका श्रमिकों और हमाल परिवारों के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं, जबकि सक्षम योजना के जरिए विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जा रहा है। आज छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिक केवल श्रमशक्ति नहीं रहीं, बल्कि विकास की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। उनकी भूमिका अब सहायक तक सीमित नहीं, बल्कि निर्णय लेने तक पहुंच रही है।

योजनाओं की बढ़ती पहुंच और जागरूकता के कारण उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा है, जिससे समाज में उनका सम्मान भी लगातार बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिकों के लिए किए जा रहे प्रयास यह स्पष्ट करते हैं कि संवेदनशील नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए सकारात्मक बदलाव संभव है। सुरक्षा, सम्मान और रोजगार के अवसरों के साथ महिला श्रमिक आज राज्य के विकास की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सशक्तिकरण का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

गीत वितान का रवीन्द्र उत्सव 3 मई को कला मंदिर में

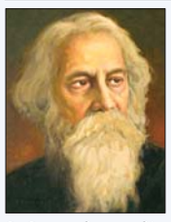

भिलाई। नोबेल विजेता रवीन्द्रनाथ ठाकुर की जयंती के अवसर पर गीत वितान कला केंद्र द्वारा महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेन्टर में 'रवीन्द्र उत्सव - 2026 : कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर की जीवंत यात्रा' का आयोजन 3 मई 2026 को किया जा रहा है। संध्या 6 बजे प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में स्मारिका 'स्वर्ण नाविका' का विमोचन भी किया जाएगा। रवीन्द्र उत्सव में संगीत, नृत्य, नाट्य एवं काव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से कविगुरु की बहुआयामी प्रतिभा को मंचित किया जाएगा।

मरोदा ओवर ब्रिज के पास मवेशी सड़क पर, खतरा

भिलाई। स्टेशन मरोदा ओवर ब्रिज के आसपास आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है जिसके कारण यह हादसे का खतरा बना रहता है। आने-जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। मवेशी अचानक दौड़ पड़ते हैं जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। कई बार पालतू मवेशियों के साथ भी उन्हें चराने वाले नहीं रहते या फिर कम संख्या में रहते हैं, जिससे वे मवेशियों को संभाल नहीं पाते हैं। इससे समस्या बढ़ती है।

दुर्ग में 21 से 23 अगस्त तक विशेष लोक अदालत लगेगी

दुर्ग सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुरूप समाधान समारोह 2026 आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के समापन चरण में 21, 22 और 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। विशेष लोक अदालत का उद्देश्य उच्चतम न्यायालय में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति, संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे पक्षकारों को प्रभावी, मानवीय एवं सहज न्याय उपलब्ध हो सके।

अग्रवाल समाज ने शताधिक डॉक्टरों को किया सम्मानित

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन ने रायपुर में आयोजित अग्रवाल हेल्थ समिट में 100 से अधिक डॉक्टरों को सम्मानित किया। डॉ. विवेक चौधरी डीन मेकाहारा, डॉ. सरिता अग्रवाल एम्स, डॉ. एचएस अग्रवाल, डॉ. अनिमेष चौधरी बालको हॉस्पिटल, निर्मेश सिंघानिया आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल हेल्थ आर्गेनाइ-जेशन का गठन किया गया। डॉ. विवेक अग्रवाल को एएचओ का अध्यक्ष नियुक्त किया। संगठन के पूर्व अध्यक्ष नेतराम अग्रवाल ने सभी डॉक्टरों को शुभकामनाएं दीं। संगठन मंत्री संजय गर्ग और युवा अध्यक्ष आशीष सक्सेरिया मौजूद रहे।

फुटबॉल प्रतियोगिता का ट्रायल 2 और 3 मई को

भिलाई। लेमन ब्रेक फुटबॉल अकादमी के सहयोग से 2 और 3 मई को TYGER-IKF ट्रायल का आयोजन भिलाई में किया जाएगा। चिरंजीव जैन भिलाई ट्रायल में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

रिसाली नगर निगम के आयुक्त ने दफ्तर का कबाड़ बेचकर कोष में जमा करवा दिए 12 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देश पर रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने निगम कार्यालय को कबाड़ मुक्त करने का निर्णय लिया। कबाड़ बेचने से निगम को 12 लाख की आय हुई है।

नगरीय प्रशासन मंत्री ने 20 अप्रैल को समीक्षा बैठक में निर्देश दिए थे कि कार्यालय से अनुपयोगी वस्तुओं को हटाएं। कबाड़ को बेचें। बैठक के बाद आयुक्त मोनिका वर्मा ने बिना देरी किए औपचारिकता पूरी कर कार्यालय के अलग-अलग स्थानों में रखे कबाड़ को निलामी प्रक्रिया के तहत हटाने की पहल की। कबाड़ से निगम को 12 लाख रूपए की आय हुई है। आयुक्त ने पहले से कबाड़ में रखे सामानों को सूचीबद्ध करा लिया था। समीक्षा बैठक में निर्देश मिलते ही ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया को पूरा करने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग एवं टैक्स प्रभारी रवि श्रीवास्तव को दी थी।

निगम गठन के पश्चात यह पहला अवसर है जब कबाड़ की नीलामी प्रक्रिया पूरी की गई है। इस प्रक्रिया के तहत कार्यालय के अलग-अलग स्थानों में रखे 20 से अधिक प्रकार के कबाड़ की बिक्री की जा रही है। इसमें पुराने अखबार, खुले में रखे खराब इलेक्ट्रीकल समान, ई वेस्ट, जल विभाग के जंग लगे पाईप, टूटे फूटे सिंटेक्स टैंक आदि शामिल है।

कबाड़ को बेचने निगम ने एमएसटीसी (भारत सरकार का उपक्रम मेटल स्क्रेप, ट्रेडिंग कंपनी) को सामानों की सूची संलग्न कर प्रस्ताव भेजा था। इसी के आधार पर ऑनलाईन निविदा जारी की गई थी। निविदा पश्चात 10 राष्ट्रीय स्तर की कबाड़ व्यापारियों ने बोली लगाते हुए निविदा में शामिल हुए थे। कबाड़ व्यापारी ने दो दिन पूर्व बोली की राशि में से 10 प्रतिशत और गुरूवार को शेष राशि जमा कर औपचारिकता पूरी की। बाद में सम्पूर्ण राशि गुरूवार को जमा कराकर औपचारिकता पूरी की है।

10वीं बोर्ड : बीएसपी स्कूल की हारिका व हंसिका ने किया टॉप

- 12वीं में भिलाई विद्यालय के विनय बघेल को 93.40 प्रतिशत अंक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के हाई स्कूल प्रमाणपत्र (कक्षा 10वीं) एवं उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (कक्षा 12वीं) परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के अंतर्गत संचालित विद्यालयों ने दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज कराया है।

कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों का विशेष स्थान रहा। हंसिका पाल एवं के हारिका ने 91.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। नियति चतुर्वेदी ने 87.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री माइंस की निकिता राज लोधी ने 85.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 12वीं के शीर्ष तीनों स्थान भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के गणित संकाय के विद्यार्थियों ने प्राप्त किए। विनय कुमार बघेल ने 93.40 प्रतिशतके साथ प्रथम, सीएच पवन कल्याण ने 91.00 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा मोनिका ने 82.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

बीएसपी स्कूलों का परीक्षा परिणाम संतुलित एवं संतोषजनक रहा है, जिसमें टाउनशिप के साथ-साथ खदान क्षेत्र के विद्यालयों ने भी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रभावी प्रदर्शन किया है।

10वीं में बीएसपी संचालित दो विद्यालयों भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री माइंस से 107 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। 77.57 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। उमा विद्यालय हिर्री माइंस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जहां 29 विद्यार्थियों में से 26 छात्र सफल रहे और विद्यालय का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.66 रहा। वहीं भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में 78 विद्यार्थियों में से 41 छात्र उत्तीर्ण हुए, जिससे विद्यालय का परिणाम 69.23 प्रतिशत रहा।

कक्षा 12वीं परीक्षा में टाउनशिप स्थित बीएसपी के दो विद्यालयों से कुल 118 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिनका समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत 84.75 रहा। भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से सर्वाधिक 103 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 73 छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परिणाम 89.32 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-11 में 15 विद्यार्थियों में से 5 छात्र उत्तीर्ण हुए, जिससे विद्यालय का उत्तीर्ण प्रतिशत 53.33 रहा।

एशियायी मुक्केबाजी में तकनीकी अधिकारी नियुक्त किए गए आर राजेन्द्रन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 03 से 15 मई 2026 तक ताशकंद में आयोजित अंडर 15 एवं अंडर 17 बालक/बालिका एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेचर बॉक्सिंग एशोसिएशन के अध्यक्ष आर. राजेन्द्रन को अंतर्राष्ट्रीय टेक्निकल आफिशियल नियुक्ति किया गया है। यह नियुक्ति विश्व मुक्केबाजी संघ ने चैंपियनशिप को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए की है। यह भारतीय मुक्केबाजी महासंघ एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश एमोचर बॉक्सिंग एशोसिएशन के लिए गौरव की बात है। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ बॉक्सिंग संघ के सभी पदाधिकारिगण जिले के आफिशियल एवं प्रशिक्षकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिये। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 30/04/2026 को हवाई मार्ग से रायपुर से मुंबई व मुंबई से ताशकंद (उज्बेकिस्तान) के लिए रवाना होगें।

भिलाई नगरर निगम के 7 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर शाल और श्रीफल से विदाई

भिलाई। नगर पालिक निगम के 7 कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर शाल और श्रीफल देकर विदाई दी गई। निगम सभागार में संपन्न समारोह में मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे और अन्य अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी दीर्घकालिक सेवा के लिए धन्यवाद दिया और उनके योगदान की सराहना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों शशिभूषण मोहंती सहायक ग्रेड-03, नियाज शाह, केशव राम साहू, मातादीन वाहन चालक, प्रमोद अग्रवाल एवं गंगा प्रसाद चौहान पम्प सहायक, सुजनम्मा सफाई कामगार ने अपने कार्यकाल के दौरान निगम के विभिन्न विभागों में अहम भूमिका निभाई। श्री तिग्गा ने कहा, इन कर्मचारियों ने अपनी मेहनत और समर्पण से कार्यों को पूरा किया। आज हम उन्हें सम्मानित कर गर्व महसूस कर रहे हैं। इस अवसर पर निगम के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ कुछ यादगार पल साझा किए और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। विदाई समारोह के दौरान सभी कर्मचारियों ने एक दूसरे के साथ मिलकर उनकी सेवा और काम के अनुभवों पर चर्चा की, जो निगम के कार्यों के लिए अमूल्य योगदान रहे।

सिवरेज कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर सिवरेज लाईन से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा प्रस्तावित कार्यों को समय पर प्रारंभ कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निगम आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 42 गौतम नगर में निर्माणाधीन सिवरेज लाईन का अवलोकन किया। कुछ स्थानों पर पाइप लाइन नागरिकों के घरों के समीप से गुजरने पर संबंधित रहवासियों

को समझाइश दी गई। इसी प्रकार वार्ड 43 गुरु घासीदास नगर से जलाराम चौक तक प्रस्तावित सिवरेज लाईन संधारण कार्य के लिए स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भगत सिंह चौक, शिव मंदिर स्थित केनाल रोड पर चल रहे सिवरेज पाइप लाइन संधारण कार्य का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही हथखोज रोड के किनारे रिक्त स्थल का सौंदर्यीकरण करते हुए पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया

दुर्ग। रक्षित केन्द्र में पुलिस अधिकारी, विवेचक, पेट्रोलिंग स्टाफ और डायल-112 में कार्यरत आरक्षकों के लिए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और प्राथमिक उपचार पर कार्यशाला हुई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव, धूम्रपान और युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर जानकारी दी। सीएचएमओ मनोज दानी ने घटना स्थल पर प्राथमिक की विधि भी साझा की।

सोमवार को निगम के इन क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के 66 एमएलडी जलशोधन संयंत्र के ठौपजबी यार्ड एवं एवं सबस्टेशन का निरीक्षण विद्युत मण्डल द्वारा किया गया है, जिसमें आवश्यक संधारण किया जाना है। उक्त संधारण कार्य विद्युत मण्डल के सहायोग से किया जाना है। संधारण कार्य के लिए 5:00 घंटे शट डाउन की आवश्यकता है। संधारण कार्य 3 मई 2026 रविवार को कराया जाना है। जिसके कारण रविवार को प्रात: 6:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक 66 एमएलडी जलशोधन संयंत्र पूर्णत: बंद रहेगा। जिससे 4 मई 2026 को निगम भिलाई क्षेत्र के खम्हरिया, नेहरू नगर, फरीद नगर एवं निगम रिसाली क्षेत्र के नेवई, रूवाबांधा, रिसाली में आंशिक रूप से जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। 4 मई 2026 की शाम तक सभी जलागार से जलप्रदाय किया जा सकेगा।

बीएसपी के अग्निशमन विभाग की तत्परता से चौहान टाउन जुनवानी में बड़ी घटना टली

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। चौहान टाउन डी-2 ब्लॉक के प्रथम तल के फ्लैट में बुधवार, 29 अप्रैल 2026 को सायं लगभग 7:25 बजे आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही वहां निवासरत एक संयंत्र कर्मी ने बीएसपी के अग्निशमन विभाग को सूचित कर दिया।

सूचना प्राप्त होते ही अग्निशमन अधिकारी विशेष राठी के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड दल—एसके मीना, संजीव कुमार एवं संतोष साहू अल्प समय में घटनास्थल पर पहुँच गए तथा तत्परता एवं कुशलता से आग पर नियंत्रण स्थापित कर एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग ने भी मौके पर पहुंचकर समन्वित रूप से कार्य किया। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सुरक्षा संबंधित ड्राइंग पेंटिंग्स पर कॉफी टेबल बुक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए 'ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता-2026' में प्राप्त कलाकृतियों का संकलन कॉफी टेबल बुक प्रथम बार प्रकाशित किया गया। इस कॉफी टेबल बुक का विधिवत विमोचन दिनांक 29 अप्रैल 2026 को इस्पात भवन के डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सेफ्टी सेनेट बैठक के दौरान किया गया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (माइंस) कमल भास्कर, सीजीएम (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सत्पथी सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधकगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि यह प्रकाशन 11 जनवरी 2026 को आयोजित ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता पर आधारित है, जिसमें 1200 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की थी। सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विगत 25 वर्षों से इस प्रतियोगिता का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जो बाल मन में सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने का एक प्रभावी माध्यम बना हुआ है।

पूर्व में इन कलाकृतियों का प्रदर्शन 19 से 23 जनवरी 2026 तक नेहरू आर्ट गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी में किया गया था, जहाँ आमजन को प्रतिभागियों की सृजनात्मकता एवं उनमें निहित सुरक्षा संदेशों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस वर्ष का यह प्रकाशन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार इन कलाकृतियों को डिजिटल एवं मुद्रित दोनों स्वरूपों में संकलित किया गया है, जिससे प्रतिभागियों के प्रयासों को स्थायी पहचान मिल सके। यह कॉफ़ी टेबल बुक न केवल बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता को प्रदर्शित करता है, बल्कि गृह सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करता है।

इस पहल में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के साथ-साथ विशेष आवश्यकता वाले प्रतिभागी भी शामिल हुए।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने 83 कार्मिकों को दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से अप्रैल माह 2026 में कुल 83 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के 06 सदस्यों सहित 12 कार्यपालक व 65 गैर-कार्यपालक शामिल हैं।

कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार उपस्थित रहे।

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों से आत्मीय संवाद कर संयंत्र के उज्वल भविष्य की दिशा में उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए, जिन पर निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने विस्तार से चर्चा की। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों ने अपने कार्यकाल की यात्रा साझा करते हुए अनुभवों एवं विचारों को व्यक्त किया। अंत में कार्यपालक निदेशकों ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को जीवन के नए पड़ाव के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। 30 अप्रैल 2026 को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में संयंत्र के गैर-कार्यपालकों को भावभीनी विदाई दी गई।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

जंगमपाल में तीन दिन की मेहनत से बहाल हुई पेयजल व्यवस्था

रायपुर। भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे सुदूर ग्रामों तक राहत पहुंचाने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम ने सेवा और समर्पण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत जंगमपाल में लंबे समय से जल समस्या बनी हुई थी, जो गर्मी बढ़ने के साथ गंभीर हो गई थी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की हैंडपंप टेक्नीशियन टीम दुर्गम वनांचल क्षेत्र कटेकल्याण के गांवों के लिए रवाना हुई। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद टीम ने लगातार तीन दिन और दो रात गांवों में रहकर कार्य किया। कई स्थानों पर नदी पार कर उपकरण पहुंचाए गए, तो कहीं पगडंडियों पर कंधों पर सामग्री ढोनी पड़ी। लीड टेक्नीशियन उमा शंकर नेताम के नेतृत्व में टीम ने जंगमपाल सहित प्रतापगिरी, छोटेलखापाल और छोटेतोंगपाल जैसे गांवों में खराब हैंडपंपों की मरम्मत, जल स्त्रोतों की सफाई और क्लोरीनेशन कर पेयजल व्यवस्था बहाल की। इस प्रयास से ग्रामीणों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सका।

हॉकी एवं एथलेटिक्स अकादमी में चयन के लिए ट्रायल में शामिल हुए 540 खिलाड़ी

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए आज हाकी और एथलेटिक्स के कुल 540 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी की। विभाग द्वारा रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल के तीसरे दिन छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयन ट्रायल में हॉकी के 111 बालिका और 173 बालक सहित 284 खिलाड़ी, तथा एथलेटिक्स के 87 बालिका एवं 169 बालक सहित 256 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। अकादमी में प्रशिक्षण के लिए इन खिलाड़ियों का चयन मोटर एबिलिटी एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाएगा। चयन ट्रायल के आखिरी दिन 1 मई को सुबह 7 बजे से अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पिच-2 में हाकी खिलाड़ियों के और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में एथलेटिक्स के खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से सावित्री को मिला संबल

रायपुर। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भूमिहीन परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी मजबूती मिल रही है। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कन्हाईबंद की निवासी श्रीमती सावित्री यादव इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में उनका जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में व्यतीत हो रहा था। भूमिहीन होने के कारण उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था और वे पूर्णत: मजदूरी कार्य पर निर्भर थीं। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रभावी एवं संवेदनशील पहल की जा रही है।

हर घर नल से जलः नवरंगपुर में खत्म हुआ जल संकट, बदली ग्रामीणों की जिंदगी

रायपुर। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत रबेली का आश्रित ग्राम नवरंगपुर, जो जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है, अब जल संकट से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव के हर घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। लगभग 463 की आबादी वाले इस गांव में पहले पेयजल के लिए केवल पांच हैंडपंप और दो बोरवेल ही सहारा थे। गर्मी के दिनों में भूजल स्तर गिरने से हैंडपंप सूख जाते थे और ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या से विशेष रूप से महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

नारी शक्ति वंदन के संकल्प को मिला महिलाओं का व्यापक समर्थन

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा के नेतृत्व में महिला प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित कार्यालय में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा के नेतृत्व में महिला प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर महिला प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में विधानसभा में आयोजित विशेष सत्र तथा इस संबंध में पारित शासकीय संकल्प के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक पहल महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

महिला प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं के उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में महिला सशक्तिकरण को और अधिक गति मिलेगी तथा महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रों में सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन जैसी ऐतिहासिक पहल समाज में समानता और न्याय के नए आयाम स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश की महिलाएं विकास यात्रा की सशक्त सहभागी हैं और उनके सशक्तिकरण के बिना समग्र विकास की परिकल्पना अधूरी है।मुख्यमंत्री ने महिला प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय से मिस इंडिया छत्तीसगढ़ अनुष्का सोन ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से विधानसभा में मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 सुश्री अनुष्का सोन ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर सुश्री अनुष्का ने मुख्यमंत्री को नारी सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर विशेष सत्र आयोजित करना एक प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलती है। सुश्री अनुष्का ने बताया कि वे आज विधानसभा की ऐतिहासिक कार्यवाही को सुनने विशेष रूप से पहुंची थीं और इस अनुभव को उन्होंने अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

उन्होंने कहा कि नीति निर्माण की प्रक्रिया को करीब से देखना उनके लिए एक नई सीख रही, जिससे वे समाज में महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए और अधिक प्रोत्साहित कर सकेंगी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं आगे आकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं, जो एक सशक्त और जागरूक समाज की पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास जताया कि इस तरह की पहल महिलाओं के आत्मविश्वास को और मजबूत करेंगी तथा उन्हें नेतृत्व की भूमिका में आगे आने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नई पीढ़ी की बेटियां शिक्षा, कला, खेल और सामाजिक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं, जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

जनगणना देश का एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनगणना 2027 हमारे देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जो केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि भविष्य के भारत और हमारे राज्य छत्तीसगढ़ के विकास की ठोस नींव तैयार करने का कार्य करेगा। यह प्रक्रिया हमें यह समझने में सक्षम बनाती है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास के लाभ किस प्रकार और कितनी प्रभावशीलता से पहुँच रहे हैं। जनगणना आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों/माध्यमों से किया जाएगा। जनगणना कार्य में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी फील्ड कर्मचारियों को फोटो युक्त पहचान-पत्र जारी किए हैं। राज्य के सभी नागरिकों से अपील है कि वे केवल अधिकृत पहचान-पत्र वाले कर्मचारियों को ही जानकारी उपलब्ध कराएं।

जनगणना निदेशालय छत्तीसगढ़ के निदेशक कार्तिकेय गोयल द्वारा छत्तीसगढ़ के नागरिकों से यह अपील की गई है कि

वे अपने उत्तम ज्ञान के आधार पर प्रगणक को सही-सही जानकारी दें। नागरिकों द्वारा दी गई सही और पूर्ण जानकारी ही आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगी।

भारत में जनगणना 1872 से की जा रही है। भारतीय जनगणना का 150 वर्षों का इतिहास है। आगामी जनगणना देश की 16 वीं और स्वतन्त्रता के बाद की 8 वीं जनगणना होगी। छत्तीसगढ़ राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण यथा मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य दिनांक 01 मई, 2026 से प्रारम्भ हो रहा है जो 30 मई, 2026 तक संपादित किया जाएगा। वर्तमान समय में तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए यह जनगणना विशिष्ट और उल्लेखनीय है, क्योंकि यह भारत की पहली ऐसी जनगणना होगी, जिसमें जनगणना आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों/माध्यमों से किया जाएगा। यह परिवर्तन न केवल कार्य को अधिक पारदर्शी और तीव्र बनाएगा, बल्कि आंकड़ों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को भी सुदृढ़ करेगा। विशेष रूप से स्व-गणना की सुविधा नागरिकों को सशक्त बनाती है, जिससे वे स्वयं अपनी जानकारी घर बैठे सुरक्षित एवं सहज तरीके से दर्ज कर सकते हैं। यह सुविधा छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 की अवधि में स्व-गणना पोर्टल **se.census.gov.in** के माध्यम से उपलब्ध थी। आज 30 अप्रैल 2026 तक शाम की स्थिति में राज्य में एक लाख 32 हजार 195 परिवारों ने स्व-गणना का कार्य संपादित कर लिया है। 01 मई से 30 मई 2026 के दौरान प्रगणक घर-घर जाकर परिवारों से 33 प्रश्न पूछेंगे। यह प्रश्न मुख्य रूप से मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं तथा परिसंपत्तियों से संबन्धित होंगे। जनगणना के दौरान प्रगणक मोबाइल एप के माध्यम से जानकारी एकत्र करेंगे, जिससे प्रक्रिया सरल और त्रुटिरहित बनेगी। जनगणना में दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारियाँ जनगणना अधिनियम 1948 तथा जनगणना नियमावली 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी । इसे किसी से भी साझा नहीं किया जाता है। टैक्स, पुलिस या जांच में इस जानकारी का उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसका उपयोग किसी भी प्रकार के साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता।

मनरेगा से मंडप पारा में हुआ कूप निर्माण

सिंचाई सुविधा विस्तार होने से किसान ले रहे हैं विविध फसल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन और ग्रामीण विकास को समर्पित प्रयासों के तहत बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत रामनगरकला के मण्डपपारा में मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मित कूप आज ग्रामीणों के लिए आजीविका और जल उपलब्धता का आधार बनकर उभरा है।

विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत रामनगरकला के मण्डपपारा में कूप निर्माण ग्रामीणों के जीवन में बेहतर आजीविका का साधन बन गया है। जहां कभी पानी की भारी किल्लत थी, वहीं आज कूप ग्रामीणों के लिए जीवनदायिनी बन चुकी है। मण्डपपारा के निवासी सुमन्त हालदार ने ग्राम सभा में कूप निर्माण की मांग रखी थी। इस क्षेत्र में भूमिगत जल स्तर कम होने के कारण गर्मी के दिनों में सिंचाई के लिए गंभीर समस्या बनी रहती थी। ग्रामीणों को छोटे जलस्रोत पर निर्भर रहना पड़ता था और सिंचाई के लिए कोई स्थायी साधन उपलब्ध नहीं था।

ग्रामसभा में सर्वसम्मति से कूप निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद जनपद पंचायत बलरामपुर में तकनीकी परीक्षण कर 2.98 लाख रुपए की लागत से कूप निर्माण का प्राक्कलन तैयार किया गया।

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत इस कार्य को वित्तीय स्वीकृति मिली और वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया। कूप से लगभग 2.50 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई का प्रमुख साधन बन गया है। इससे किसानों को अब फसलों के लिए वर्षा पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे उनकी आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

हर गुरुवार गांव के द्वार स्वास्थ्यः मनेंद्रगढ़ के दूरस्थ अंचलों में बढ़ी चिकित्सा पहुंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत करने के लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग ने एक अभिनव पहल शुरू की है। अब ऐसे गांव, जो निकटतम उप स्वास्थ्य केंद्र से 5 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर स्थित हैं, वहां प्रत्येक गुरुवार को नियमित रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं।

इस पहल का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाना है, ताकि दूरी और संसाधनों की कमी के कारण कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित न रहे। शिविरों में अनुभवी स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सामान्य व मौसमी बीमारियों की जांच, प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य परामर्श और नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। यह पहल विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए राहतकारी सिद्ध हो रही है, जिन्हें स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में कठिनाई होती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शिविरों के माध्यम से उपचार के साथ-साथ स्वच्छता, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और रोगों की रोकथाम को लेकर जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाएं गांव के द्वार की अवधारणा को साकार करती यह पहल अब सकारात्मक परिणाम दे रही है। विभाग इसे पूरे जिले में विस्तार देने की तैयारी कर रहा है।

हेलमेट बैंकः सड़क सुरक्षा की दिशा में एक सार्थक पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि आज एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के उपयोग की कमी के कारण दुर्घटनाओं में मृत्यु और गंभीर चोटों के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसी चुनौती से निपटने के लिए जिला प्रशासन कोण्डागांव द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए हेलमेट बैंक की शुरुआत की गई है। यह पहल न केवल लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित कर रही है, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हेलमेट बैंक योजना का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर एवं गंभीर चोटों को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत नेशनल हाईवे

30 के आसपास स्थित उन ग्राम पंचायतों में हेलमेट बैंक स्थापित किए गए हैं, जहां दुर्घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। वर्तमान में जिले के 9 ग्राम पंचायत—मस्सुकोकोड़ा, माझीआंठगांव, लंजोडा, अनंतपुर, बड़ेराजपुर, बनियागांव, मसोरा, मर्दापाल और माकड़ी में यह व्यवस्था संचालित की जा रही है।

इन हेलमेट बैंकों में 120 से अधिक हेलमेट उपलब्ध कराए गए हैं और अब तक 400 से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। योजना के तहत बिना हेलमेट यात्रा कर रहे दोपहिया वाहन चालकों को अस्थायी रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे सुरक्षित यात्रा कर सकें। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही है, जो किसी कारणवश हेलमेट साथ नहीं रख पाते।

हेलमेट प्राप्त करने की प्रक्रिया भी सरल और सुविधाजनक रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र या नाममात्र की राशि जमा करनी होती है। उपयोग के बाद हेलमेट को वापस हेलमेट बैंक में जमा करना अनिवार्य होता है, जिससे अन्य लोग भी इसका लाभ ले सकें।

कलेक्टर ने इस पहल के माध्यम से नागरिकों से अपील की है कि वे हेलमेट पहनने को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्य भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं—जब भी कोई व्यक्ति दोपहिया वाहन से बाहर जाए, उसे हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। छोटी-सी सावधानी बड़े हादसों से बचा सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की है और इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रभावी कदम बताया है। हेलमेट बैंक जैसी पहलें न केवल जीवन बचाने का माध्यम बनती हैं, बल्कि समाज में जिम्मेदारी और जागरूकता का संदेश भी देती हैं।

भीषण गर्मी में वन्यजीवों के लिए 'संजीवनी' बना बारनवापारा

जल प्रबंधन का ऐसा मॉडल जो पूरे देश के लिए बना मिसाल, वैज्ञानिक मैपिंग और सॉल्ट लिक तकनीक से बदला अभयारण्य का परिदृश्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन और जैव-विविधता के केंद्र बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य ने इस भीषण गर्मी में वन्यजीव संरक्षण की एक नई इबारत लिखी है। जब पारा आसमान छू रहा है और प्राकृतिक जल स्रोत सूखने की कगार पर हैं, तब बलौदाबाजार वनमंडल द्वारा अपनाई गई वैज्ञानिक और व्यावहारिक जल प्रबंधन प्रणाली वन्यजीवों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है।

अभयारण्य प्रबंधन ने पूरे क्षेत्र का विस्तृत मानचित्रण कर 240 से अधिक जल स्रोतों को चिन्हित किया है। इसमें तालाब, स्टॉप डैम, वॉटरहोल और कृत्रिम सॉसर शामिल हैं। रणनीति ऐसी बनाई गई है कि वन्यप्राणियों को पानी के लिए भटकना न पड़े। प्रत्येक 5 वर्ग किलोमीटर के दायरे में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

बारनवापारा का यह मॉडल केवल पानी भरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डेटा और तकनीक पर आधारित है। स्थलों का नियमित निगरानी का प्रबंध किया गया है। प्रत्येक 15 दिनों में जल स्तर का आकलन किया जाता है। 'स्टाफ गेज' के माध्यम से जल स्तर मापकर स्रोतों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है, ताकि जहां पानी कम हो, वहां तुरंत कार्रवाई की जा सके।सभी जल स्रोतों की जियो-टैगिंग की गई है, जिससे मुख्यालय से भी इनकी स्थिति पर सटीक नजर रखी जा सके। वन्यजीवों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि 'सुरक्षित पानी' मिले, इसके लिए नियमित अंतराल पर **pH** मान और **TDS** का परीक्षण किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि पानी वन्यजीवों के स्वास्थ्य के अनुकूल हो। जिन दुर्गम क्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्रोत सूख गए हैं, वहां विभाग द्वारा टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

मिनरल्स का भी रखा ख्यालः स्थापित किए 'साल्ट लिक'

वन्यजीवों के समग्र स्वास्थ्य और उनकी खनिज आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जल स्रोतों के पास रणनीतिक रूप से 'साल्ट लिक' बनाए गए हैं। इससे जानवरों को पानी के साथ-साथ आवश्यक मिनरल्स भी एक ही स्थान पर मिल रहे हैं, जो गर्मी के तनाव को कम करने में सहायक है। वनमंडलाधिकारी ने कहा कि एक ऐसी जवाबदेह प्रणाली विकसित की है जो केवल तात्कालिक राहत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान प्रदान करती है। लगातार निगरानी और वैज्ञानिक डेटा के कारण हम जल स्तर गिरने से पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था करने में सक्षम हैं। यह मॉडल भविष्य के वन्यजीव प्रबंधन के लिए एक मानक स्थापित कर रहा है।

करोड़ों की मालकिन, एक्सक्लूसिव कंटेंट के लिए 290 रुपये करती हैं चार्ज?

यूजर्स ने नेहा शर्मा को किया ट्रोल

नेहा शर्मा बॉलीवुड में जाना-पहचाना नाम हैं। पिता चर्चित राजनेता हैं। इन दिनों यह एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रही हैं। इसकी वजह बना इंस्टाग्राम पर शेयर किया जाने वाला उनका एक्सक्लूसिव कंटेंट। जानिए, पूरा मामला?

नेहा शर्मा को बॉलीवुड में लगभग 16 साल हो चुके हैं, वह अब तक 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'यमला पगला दीवाना 2', 'तुम बिन 2' और 'मुबारकां' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में नेहा शर्मा जबरदस्त ट्रोलिंग का शिकार हुई। कुछ यूजर्स का इस बात पर ध्यान गया कि वह इंस्टाग्राम पर एक्सक्लूसिव कंटेंट के लिए हर महीने 290 रुपये चार्ज करती हैं।

एक्सक्लूसिव कंटेंट से कमाए लाखों रुपये

जो एक्सक्लूसिव कंटेंट नेहा शर्मा शेयर करती हैं, उसे 10 हजार लोगों ने सब्सक्राइब किया है। इस तरह नेहा शर्मा ने अब तक इस कंटेंट से लगभग 29 लाख रुपये का रेवेन्यू कमाया है। लेकिन इस कंटेंट को लेकर कई सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। यह कंटेंट सिर्फ सब्सक्राइब करने वालों को दिखता है तो पता नहीं है कि नेहा शर्मा इसमें क्या शेयर करती हैं।

सोशल मीडिया यूजर्स ने किया ट्रोल

जब सोशल मीडिया यूजर्स को पता लगा कि नेहा शर्मा एक्सक्लूसिव कंटेंट के लिए 290 रुपये हर महीने चार्ज करती हैं तो उन्हें इस बात के लिए जमकर ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, 'इतनी प्रॉपर्टी होने के बावजूद इनके पास उसूल नहीं हैं।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'हम नेहा शर्मा को इसके लिए ट्रोल कर सकते हैं। लेकिन आजकल यह सामान्य बात है। लोग अपना एक्सक्लूसिव कंटेंट कुछ लोगों को ही दिखाते हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ट्रोलिंग के कारण नेहा शर्मा के सब्सक्राइब बढ़ गए हैं।'

नेहा शर्मा के अपकमिंग प्रोजेक्ट

नेहा शर्मा के करियर फ्रंट की बात करें तो साल 2024 में वह एक फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आई थीं। इसके बाद पिछले साल एक फिल्म 'संजोग' की थी। इन दिनों वह सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहती हैं, अपने लुक, वेकेशन फोटो शेयर करती रहती हैं।

भूत बंगला के 100 करोड़ी बनने पर खुशी से झूमीं वामिका गब्बी

वामिका गब्बी की हॉरर कॉमेडी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई है। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और एक न्यू एक्ट्रेस के लिए इससे बड़ी खबर और कोई नहीं हो सकती। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के इस रीयूनियन प्रोजेक्ट ने अपने दूसरे सोमवार तक यह मील का पत्थर हासिल कर लिया, जिसके बाद वामिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जाकर एक प्यारा सा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने फैंस और भूत बंगला की टीम को धन्यवाद दिया।

वामिका ने इंस्टाग्राम पर भूत बंगला के सेट से कास्ट और क्रू के साथ बीटीएस तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की, और फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। इस सीरीज को एक उन्होंने एक प्यारे से नोट के साथ जोड़ा, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर, एक्टर समेत पूरी टीम का शुक्रियाअदा किया।

वामिका ने अपनी खुशी की असल वजह बताते हुए नोट की शुरुआत में लिखा है, मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म. प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर और पूरी कास्ट और क्रू की आभारी हूं। यह शब्दों से परे है, इन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दे दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।

दर्शकों का शुक्रियाअदा करते हुए एक्ट्रेस ने आगे लिखा है, इसे देखने, इसे महसूस करने, और धीरे-धीरे इसके लिए और मेरे लिए जगह बनाने के लिए दर्शकों का धन्यवाद। यहां का हर कदम कमाया हुआ, सीखा हुआ और दिल से महसूस किया हुआ है। यह तो बस शुरुआत है, मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी, हमेशा. भूत बंगला के कलेक्शन के बारे में बात करें तो यह फिल्म 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, भूत बंगला ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 197.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। जल्द ही यह 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

वामिका ने अपने करियर की शुरुआत टीनएजर के तौर पर इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से की थी, जिसमें उन्होंने करीना कपूर की कजिन का किरदार निभाया था। लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करने के बाद, उन्हें 2013 में आई फिल्म सिक्सटीन में अपना पहला लीड रोल मिला। इसके बाद उन्होंने पंजाबी, तमिल और मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। आज वह हिंदी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस बन चुकी हैं।

रोजाना 10 मिनट का वर्कआउट रूटीन अपनाएं, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

आजकल हर किसी के पास खुद के लिए समय नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी सेहत को नजरअंदाज कर दें। इसके लिए आपको ज्यादा समय देने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो रोजाना 10 मिनट का व्यायाम रूटीन अपनाकर फिट रह सकते हैं। आइए आज हम आपको 10 मिनट में पूरा किया जाने वाला वर्कआउट रूटीन बताते हैं, जिससे आप फिट और स्वस्थ रह सकते हैं।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स एक बेहतरीन व्यायाम है, जो आपके पैरों और कूल्हों को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, फिर घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जैसे कि आप कुर्सी पर बैठने वाले हों। इस स्थिति में आने के बाद धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर वापस ऊपर आएं। ध्यान रखें कि आपके कूल्हे घुटनों से ऊपर हों। इसे 10 मिनट तक लगातार करें। इससे आपके पैरों की मांसपेशियां मजबूत होंगी और संतुलन भी बेहतर होगा।

पुश-अप्स

पुश-अप्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को फिट रखती है। इसे करने के लिए सबसे पहले फर्श पर पेट के बल लेटें, फिर अपने हाथों के बल उठकर अपनी छाती को नीचे लाएं और वापस ऊपर उठाएं। इस दौरान शरीर को सीधा रखें। इसे 10 मिनट तक लगातार करें। पुश-अप्स से आपकी छाती, कंधे, पीठ और हाथों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और आपके शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है।

प्लैंक

प्लैंक एक बेहतरीन व्यायाम है, जो आपके पेट और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले फर्श पर पेट के बल लेटें, फिर अपने पैरों की उंगलियों और हाथों के पंजों के बल उठकर अपने शरीर को सीधा रखें। इस स्थिति में जितनी देर हो सके उतनी देर टिके रहें। इसे 10 मिनट तक लगातार करें। प्लैंक से आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है।

जम्पिंग जैक

जम्पिंग जैक एक ऐसा व्यायाम है, जो आपके दिल की धड़कनें बढ़ाती है और शरीर में ऊर्जा भरती है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हों, फिर पैरों को खोलते हुए हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं, इसके बाद हाथों को नीचे लाते हुए पैरों को भी बंद करें। इसे 10 मिनट तक लगातार करें। जम्पिंग जैक से आपका दिल मजबूत होता है और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

लंजेस

लंजेस आपके पैरों और कूल्हों को मजबूत बनाते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े होकर एक पैर को आगे बढ़ाएं और दूसरे पैर को पीछे खींचें, फिर आगे वाले घुटने को मोड़ते हुए नीचे आएं। पीछे वाला पैर पूरा सीधा रहे। इसे दोनों पैरों से बारी-बारी से करें। लंजेस से आपके पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और संतुलन भी बेहतर होता है। इसे 10 मिनट तक लगातार करें।

आखिरी सवाल के ट्रेलर की रिलीज डेट से हटा पर्दा

संजय दत्त स्टारर आखिरी सवाल बहुत ही कम समय में सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से राह देख रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही काफी चर्चा थी और फिर मेकर्स ने हनुमान जयंती पर इसका टीजर रिलीज किया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की ऐसी झलक दिखाई गई जो पहले कभी नहीं देखी गई थी। अब, मेकर्स इसके मच-अवेटेड ट्रेलर के लिए तैयार हैं, जो आज 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाला है।

मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर आखिरी सवाल के ट्रेलर लॉन्च का एलान कर दिया है। इसका ट्रेलर आज 30 अप्रैल 2026 को एक ग्रैंड इवेंट में पूरी कास्ट और क्रू की मौजूदगी में लॉन्च किया जाएगा।

आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आजकल, जहां भारतीय सिनेमा में ज्यादातर मसालेदार और कमर्शियल फिल्में ही बन रही हैं, वहीं निखिल नंदा ने कुछ अलग करने का साहस किया है। आखिरी सवाल के जरिए उन्होंने देश के इतिहास के उन पन्नों को छुआ है, जिन पर कम ही बात होती है। बाबरी मस्जिद का गिरना, महात्मा गांधी की हत्या और इमरजेंसी जैसे मुद्दों को बेबाकी से सामने लाकर निखिल नंदा ने सबको हैरान कर दिया है।

मेनस्ट्रीम सिनेमा में इन विषयों पर बहुत कम फिल्में बनी हैं, लेकिन निखिल नंदा के साहस की वजह से ये बातें अब लोगों के सामने आ रही हैं। इससे दर्शकों को देश के अतीत के इन अहम हिस्सों को समझने और उन पर गौर करने का मौका मिलेगा।

आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केडीः द डेविल को रिलीज से एक दिन पहले राहत, सेंसर बोर्ड ने दिखाई हरी झंडी

धूव सरजा और संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म केडी: द डेविल को लेकर बड़ा अपडेट आया है। फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज हो रही है और एक दिन पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने हरी झंडी दिखाई है।

केवीएन प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस बात का ऐलान किया है। दरअसल निर्माताओं को सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र न मिलने के कारण रुकावट का सामना करना पड़ रहा था।

निर्माताओं ने केडी: द डेविल के प्रमाणन का ऐलान करते हुए लिखा, ए सर्टिफाइड। रॉ। बेरहम। असली। केडी: द डेविल रिलीज में बस 1 दिन बाकी। फिल्म को ए प्रमाणपत्र मिला है, जिसका मतलब है कि सिर्फ 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग इसे देख सकेंगे। इससे पहले, निर्माताओं को प्रमाणपत्र न मिलने के कारण फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब से हटाना पड़ा था, क्योंकि उसमें कुछ ऐसे दृश्य शामिल थे जिन्हें प्रमाणित नहीं किया गया था।

1970 के दशक पर आधारित यह एक धमाकेदार पैन-इंडिया फिल्म है, जिसमें कन्नड़ अभिनेता ध्रुव की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। संजय भी इसका हिस्सा हैं। उनके अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, और रेश्मा नानाइया जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह दर्शकों को थ्रिल, जबरदस्त एक्शन दृश्य और रोमांचक सिनेमाई अनुभव प्रदान करने का वादा करती है।

फातिमा सना शेख ने बिकनी में दिए पोज बताया किस बात से हो जाती हैं खुश

फातिमा सना शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही ने एक्ट्रेस ने बिकिनी में अपनी कई फोटोज शेयर की है। जिसपर फैंस प्यार लुटा रहे है। हालांकि एक्ट्रेस कई साल पहले बिकिनी फोटोशूट के लिए ट्रोल हो चुकी है।

फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर बिकिनी में अपनी कई सारी फोटो शेयर की है। तस्वीरों में एक्ट्रेस मरून कलर की बिकिनी पहने बीच के किनारे पोज देती नजर आ रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। उनका ये ग्लैमरस अवतार देख फैंस दीवाने हो गए हैं. एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, मुझे खुश करना बहुत आसान है। मुझे बस बीच या पहाड़ों पर ले जाओ, और कुछ नहीं चाहिए और हां, बिजली से बेहतर ट्रैवल पार्टनर कोई नहीं है। उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फोटोज पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। बता दें, फातिमा सना शेख साल 2017 ट्रोलिंग का शिकार हो गई थी।

दरअसल, उन्होंने रमजान के महीने में एक मैगजीन के लिए बिकिनी फोटोशूट कराया था, जिसकी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। वहीं, फोटो को डालने के बाद उनपर लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि मुस्लिम होने के नाते उन्हें रमजान में ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

खास खबर

9 मई को नेशनल लोक अदालत का होगा आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के अनुक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार शनिवार 09 मई 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजित कर राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किये जाएंगे। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए इस स्थापना अन्तर्गत विभिन्न थानाओं में पदस्थ पैरालीगल वालिन्टियर्स द्वारा अपने क्षेत्रों में विभिन्न सुदुर अंचलों के गांवों, नगरों, कस्बों में नेशनल लोक अदालत के लाभों के बारे में बताते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी प्रकार विभिन्न विभागों के नगरों, गांवो में भ्रमण करने वालों वाहनों के माध्यम से भी उक्त नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण हेतु दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण, चेक बाउन्स अर्थात् 138 वाले मामले, बैंक रिकवरी अर्थात् प्री-लिटिगेशन प्रकरण, मोटरयान अधिनियम से संबंधित प्रकरण, भरण-पोषण धारा 125 के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, श्रमिक प्रकरण, जमीन विवाद प्रकरण, विधुत प्रकरण, जलकर प्रकरण, सम्पत्ति कर, टेलीफोन प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है।

तेन्दूपत्ता से बदली जिंदगी, बढ़ी आय और सम्मान

रायपुर। तेन्दूपत्ता संग्रहण आदिवासी और वनवासी परिवारों के लिए आजीविका का एक अत्यंत सशक्त और महत्वपूर्ण आधार है। इसे जंगलों का हरा सोना भी कहा जाता है। यह कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है और विशेष रूप से भीषण गर्मी के महीनों में जब अन्य रोजगार के साधन कम होते हैं, तब यह आय का एक बड़ा जरिया बनता है। छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्रहण आदिवासी और वनवासी परिवारों के लिए आजीविका का एक मजबूत आधार है। यहां उत्पादित तेन्दूपत्ता अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। कटघोरा वनमण्डल में यह कार्य संगठित रूप से संचालित हो रहा है, जहां 7 परिक्षेत्रों में 44 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियां सक्रिय हैं। हर वर्ष मई के पहले सप्ताह से तेन्दूपत्ता संग्रहण शुरू होता है। इससे पहले फड़ों (संग्रहण केंद्रों) का चयन और शाखा कर्तन का कार्य किया जाता है, जिससे अच्छी गुणवत्ता के पत्ते प्राप्त हों। वर्ष 2026 में केवल शाखा कर्तन कार्य के लिए ही 47 लाख 54 हजार रूपए से अधिक का भुगतान किया गया, जिससे स्थानीय लोगों को अतिरिक्त रोजगार मिला। इस कार्य में 66 हजार 331 संग्राहकों ने भाग लिया, जिन्हें 5 हजार 500 रूपए प्रति मानक बोरा की दर से कुल 39 करोड़ 45 लाख रूपए से अधिक पारिश्रमिक सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन (डीबीटी) के माध्यम से भुगतान किया गया। इससे भुगतान में पारदर्शिता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

नए भारत का नया बस्तर

संघर्ष की छाया से निकलकर पर्यटन के उजाले की ओर

दीपक कुमार यादव
पीआरओ, पर्यटन विभाग, छत्तीसगढ़

रायपुर। बस्तर, छत्तीसगढ़ का वह अंचल जो कभी नक्सल प्रभाव और चुनौतियों के कारण सुर्खियों में रहा, आज तेजी से अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। प्राकृतिक संपदा, जनजातीय संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता के साथ-साथ साय सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने इस क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को विकास के प्रमुख आधार के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव बस्तर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

साय सरकार ने दिया पर्यटन को उद्योग का दर्जा

साय सरकार द्वारा पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के निर्णय ने बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को नया आयाम दिया है। इससे न केवल पर्यटन अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा बस्तर क्षेत्र में पर्यटन स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

संघर्ष की छाया से निकलकर पर्यटन के उजाले की ओर

पर्यटन के इस विकास में स्थानीय ग्रामीणों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और असुरक्षा का वातावरण था, वहीं अब ग्रामीणों ने श्रमदान और आपसी सहयोग से पर्यटन स्थलों का विकास कर एक नई दिशा दी है। उयधीर नाले जैसे स्थानों को ग्रामीणों ने स्वयं विकसित कर पिकनिक स्पॉट और पर्यटन स्थल के रूप में परिवर्तित किया है। यह सामूहिक प्रयास इस बात का प्रमाण है कि जब समुदाय और शासन साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो परिवर्तन निश्चित होता है।

बस्तर की पहचान एक उभरते पर्यटन हब के रूप में

आज बस्तर केवल अपने अतीत की चुनौतियों के लिए नहीं, बल्कि अपनी नई पहचान एक उभरते पर्यटन हब के रूप में स्थापित करता जा रहा है। यह परिवर्तन न केवल विकास की कहानी है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सही नीतियों, मजबूत नेतृत्व और स्थानीय सहभागिता से किसी भी क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। बस्तर का यह नया स्वरूप न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभर रहा है।

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

साय सरकार द्वारा ईको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, जल पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। बस्तर में इन सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य हो रहा है, जिससे यह क्षेत्र बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित हो रहा है। बेहतर सड़क संपर्क, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और डिजिटल प्रचार-प्रसार ने भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की है।

बस्तर एक अनूठा सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बस्तर में घने जंगल, मनोहारी झरने, विस्तृत पहाड़ियां, शांत नदियां और समृद्ध जैव विविधता पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। इसके साथ ही यहां की जनजाति संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक वाद्य यंत्र और विविध उत्सव बस्तर को एक अनूठा सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र बनाते हैं। धुड़मारास और मांझीपाली जैसे गांवों में पर्यटक न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं, बल्कि स्थानीय जीवनशैली, परंपराओं और लोक संस्कृति से भी रूबरू होते हैं।

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। होम-स्टे योजना, स्थानीय गाइड प्रशिक्षण, हस्तशिल्प को प्रोत्साहन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण जैसे प्रयासों से क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं और वे अपनी पारंपरिक कला एवं संस्कृति को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

पलाश फूल से बढ़ती आजीविका और समृद्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पलाश (टेसू या ढाक) का फूल न केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आजीविका और स्वास्थ्य के लिए एक बहुमूल्य संसाधन है। इसके नारंगी-लाल फूलों को जंगल की आग भी कहा जाता है, जो वसंत ऋतु में ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि लाते हैं। पलाश के फूल, बीज और गोंद (कमरकस) आयुर्वेद में चर्म रोग, पेट के कीड़े, डायबिटीज, और यौन स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रयुक्त होते हैं। इन औषधीय उत्पादों को बेचकर भी ग्रामीण अपनी आय बढ़ाते हैं।

औषधीय और सांस्कृतिक फूल है पलाश

पलाश फूल (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा), जिसे टेसू, ढाक या जंगल की आग (फ्लेम ऑफ द फॉरेस्ट) भी कहा जाता है, भारत का एक महत्वपूर्ण औषधीय और सांस्कृतिक फूल है। बसंत ऋतु में खिलने वाले इसके आकर्षक नारंगी फूल न केवल प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि औषधीय उपयोग, प्राकृतिक होली रंग और त्वचा की देखभाल में भी काम आते हैं। छत्तीसगढ़ के वन मण्डल कटघोरा में पलाश के वृक्ष बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। पसान, केन्दई, जटगा, एतमानगर, कटघोरा, चौतमा और पाली जैसे क्षेत्रों में इसकी भरपूर उपलब्धता है। यहां के आदिवासी और वनवासी परिवारों के लिए लघु वनोपज संग्रहण आजीविका का प्रमुख साधन है। पलाश फूल का संग्रहण मुख्यत मार्च-अप्रैल माह में किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ, रायपुर द्वारा वर्ष 2025 में इसका संग्रहण दर 11.50 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया। यह दर संग्राहकों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने में मददगार साबित हुई है।

वर्ष 2022-23 में 116 संग्राहकों से 402 क्विंटल, वर्ष 2023-24 में 40 संग्राहकों से 58 क्विंटल,वर्ष 2024-25 में 107 संग्राहकों से 147 क्विंटल और वर्ष 2025-26 में 20 संग्राहकों से 76 क्विंटल संग्रहण किया गया इसके साथ ही साथ पलाश के मूल्य में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 में 900 रुपये प्रति क्विंटल मिलने वाला पलाश वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1150 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। इसके बाद संघ मुख्यालय द्वारा इसे 1600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से विक्रय किया गया, जिससे संग्राहकों को बेहतर लाभ मिला।

वन धन विकास केंद्र पसान, मोरगा, डोंगानाला, गुरसियां और मानिकपुर के माध्यम से संग्रहण कार्य को संगठित रूप दिया गया है। इन केंद्रों ने स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण, संग्रहण और विपणन में सहयोग प्रदान किया। वर्ष 2025-26 में पलाश फूल संग्रहण करने वाले 20 संग्राहकों को कुल 87,400 रुपए का भुगतान किया गया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और जीवन स्तर में सुधार आया। यह पहल शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें लघु वनोपज के माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी परिवारों को रोजगार और आय के अवसर मिल रहे हैं।

पलाश के फूल मां लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय माना जाता है, इसलिए इन्हें पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। मान्यता है कि इन्हें तिजोरी में रखने से धन-समृद्धि बढ़ती है। पलाश के पत्तों से बने पत्तल और दोने शादियों और अन्य आयोजनों में इको.फ्रेंडली विकल्प के रूप में बहुत लोकप्रिय हैं, जो ग्रामीण रोजगार का एक बड़ा साधन है। आगामी सीजन में कटघोरा वनमण्डल के सभी समितियों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को पलाश फूल संग्रहण से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इससे न केवल आजीविका के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि वन संसाधनों का सतत और समुचित उपयोग भी सुनिश्चित होगा। पलाश सिर्फ फूलों की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता,आजीविका और समृद्धि की नई उड़ान की कहानी है।

पलाश के फूलों का सबसे बड़ा व्यावसायिक उपयोग होली के लिए प्राकृतिक और हर्बल गुलाल, रंग बनाने में होता है। आदिवासी और ग्रामीण महिलाएं पलाश ब्रांड के माध्यम से इन फूलों से इको-फ्रेंडली रंग तैयार कर अपनी आजीविका बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने 'अविस्मरणीय यात्रा' पुस्तक का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में पत्रकार नीरा साहू द्वारा गुजरात यात्रा पर लिखी गई पुस्तक 'अविस्मरणीय यात्रा' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती साहू को उनकी उत्कृष्ट रचना के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में विधानसभा में आयोजित विशेष सत्र एवं शासकीय संकल्प के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इसे महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और अधिकारों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला पत्रकारों के अध्ययन भ्रमण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण पत्रकारों की दृष्टि को व्यापक बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह यात्रा-वृत्तांत पर्यटन प्रेमियों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगा।

इस अवसर पर निशा द्विवेदी, सुश्री चित्रा पटेल, लवलीना शर्मा, जनसंपर्क विभाग की उप संचालक डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक संगीता लकड़ा एवं आमना खातून सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

योजना, मार्गदर्शन और नवाचार से समृद्धि की नई कहानी

रायपुर। बदलती कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त उदाहरण सक्ती जिले के डभरा तहसील अंतर्गत ग्राम जवाली के किसान श्री रामकुमार पटेल ने प्रस्तुत किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद सूझबूझ, मेहनत और कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन के बल पर उन्होंने खेती को लाभकारी बनाते हुए समृद्धि की नई राह तैयार की है।

लगभग ढाई हेक्टेयर कृषि भूमि के स्वामी पटेल वर्ष 2024-25 तक ग्रीष्मकालीन धान की खेती करते थे। हालांकि, बढ़ती लागत और अपेक्षाकृत कम लाभ के कारण उन्हें संतोषजनक आय प्राप्त नहीं हो पा रही थी। ऐसे में वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्हें फसल विविधीकरण अपनाने, विशेषकर सरसों की उन्नत खेती और कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीकों की जानकारी दी। विभागीय मार्गदर्शन से प्रेरित होकर पटेल ने धान की जगह सरसों की खेती अपनाने का निर्णय लिया।

राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल सीड्स योजना के अंतर्गत उन्हें 1.00 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सरसों की उन्नत किस्म पीएम-32 उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही आवश्यक कृषि आदान सामग्री और समय-समय पर तकनीकी परामर्श भी दिया गया।

पावर प्लांटों में सुरक्षा पर सख्तीः शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ काम करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में औद्योगिक दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से संचालनालय, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नवा रायपुर स्थित इन्द्रावती भवन में पावर प्लांट प्रबंधन के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बुधवार 29 अप्रैल को प्रातः 11 बजे कॉन्फ्रेंस हॉल क्रमांक-2, तृतीय तल में आयोजित इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 22 पावर प्लांटों के यूनिट हेड एवं सेफ्टी ऑफिसर उपस्थित रहे।

बैठक में विगत वर्षों में घटित औद्योगिक दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान कारखानों द्वारा अपनाई जा रही मानक संचालन प्रक्रिया, सुरक्षित कार्य पद्धति, जोखिम प्रबंधन उपायों और कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने के प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई।

संचालनालय के अधिकारियों ने विशेष रूप से श्रमिकों को प्रदान किए जाने वाले सुरक्षा प्रशिक्षण, नियमित सुपरविजन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और उनके प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। साथ ही प्रत्येक पावर प्लांट में ऑन-साइट इमरजेंसी प्लान की तैयारी, उसकी समय-समय पर समीक्षा तथा मॉकड्रिल के आयोजन की स्थिति का भी आंकलन किया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रभारी संचालक ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि औद्योगिक सुरक्षा के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कारखाना प्रबंधन को निर्देशित किया कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

कुपोषण पर प्रभावी प्रहार, स्वस्थ बचपन की ओर सशक्त कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण के विरुद्ध चल रही मुहिम अब प्रभावी परिणामों के साथ एक मजबूत जन-आंदोलन का रूप लेती दिख रही है। राजनांदगांव जिले में प्रशासन के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वित प्रयासों से संचालित **पोट्टु लईका पहल** अभियान ने बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज कराते हुए राज्य के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत किया है। जून 2025 से प्रारंभ इस अभिनव अभियान का उद्देश्य केवल कुपोषण की पहचान करना नहीं, बल्कि समुदाय को जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

इसी कड़ी में प्रत्येक गुरुवार को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में **पालक चौपाल** का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जहां अभिभावकों को तिरंगा भोजन (संतुलित और विविध आहार), शिशु एवं मातृ पोषण, स्तनपान के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, स्वच्छता और बच्चों की समुचित देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल, व्यवहारिक और स्थानीय भाषा में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही कुपोषित बच्चों की नियमित जांच, वजन-लंबाई की मॉनिटरिंग, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता और पोषण परामर्श भी सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे अभियान का प्रभाव सीधे जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। अभियान की शुरुआत के समय जून 2025 में जिले के 0 से 5 वर्ष के कुल 55,797 बच्चों को चिन्हित किया गया था, जिनमें से 9,751 बच्चे कुपोषण की विभिन्न श्रेणियों—गंभीर, अति गंभीर और मध्यम—में शामिल थे। यह स्थिति प्रशासन और विभागों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन सुनियोजित रणनीति, विभागीय समन्वय और सामुदायिक सहभागिता के चलते इस चुनौती को अवसर में बदला गया। लगातार फील्ड विजिट, घर-घर संपर्क, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी तथा अभिभावकों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव ने अभियान को मजबूती प्रदान की। परिणामस्वरूप मार्च 2026 तक जिले में कुपोषित बच्चों की संख्या घटकर 5,146 रह गई है।

गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या 731 से घटकर 328 तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या 443 से घटकर 128 हो जाना इस बात का प्रमाण है कि समय पर हस्तक्षेप और सतत निगरानी से गंभीर स्थितियों में भी सुधार संभव है। मध्यम कुपोषण के मामलों में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जो समग्र पोषण सुधार की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। यदि प्रतिशत के आधार पर देखा जाए तो जून 2025 में जिले में कुपोषण की दर 11.23 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 तक घटकर 7.55 प्रतिशत पर आ गई है।

खास खबर

चेकिंग के दौरान युवक चाकू के साथ गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना मौदहापारा क्षेत्र में रजबंधा मैदान के पास पुलिस ने औचक कार्रवाई करते हुए एक युवक को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 की शाम थाना मौदहापारा पुलिस टीम थाना प्रभारी निरीक्षक शक्ति सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में अड्डेबाजी और संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही थी। रजबंधा मैदान के पास स्थित एक चाय ठेले के आसपास चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया और हथियार को जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जाफर अली पिता शमशाद अली, उम्र 19 वर्ष, निवासी धरसीवां बताया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना मौदहापारा में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पत्नी की हत्या कर करंट से मौत का रचा नाटक पति गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। बलौदा थाना क्षेत्र में एक पति ने अपनी नवविवाहिता पत्नी की हत्या कर उसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, आरोपी महेन्द्र कुमार मिरी ने अपनी पत्नी ललिता मिरी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए शव को बाथरूम में ले जाकर इमर्शन रॉड के जरिए करंट लगने जैसा दृश्य बनाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में जांच शुरू की गई। जांच और पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि आरोपी का किसी अन्य महिला से अवैध संबंध था, जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना 28-29 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात की बताई जा रही है, जब विवाद के दौरान आरोपी ने पत्नी की हत्या कर दी और उसे हादसा दिखाने की साजिश रची। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ में सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

377 लीटर महुआ शराब एवं 1705 किलो महुआ लाहन जब्त

रायगढ़। कलेक्टर के निर्देश एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने जिले में कार्रवाई करते हुए अवैध महुआ शराब के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से 377 लीटर से अधिक महुआ शराब एवं 1705 किलोग्राम महुआ लाहन की जप्ती की है। जिसमें 29 अप्रैल को की गई इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से महुआ शराब जब्त की गई। पहले मामले में थाना चक्रधरनगर के मनुवापाली निवासी गोविंद सेठ 50 वर्ष के पास से 18.720 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। वहीं दूसरे मामले में थाना-घरघोड़ा अंतर्गत चारमार निवासी कांती बाई 46 वर्ष के कब्जे से 15 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा के तहत गैर-जमानती अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आबकारी विभाग ने पिछले तीन दिनों में जिले के विभिन्न ग्रामीण और वन क्षेत्रों में भी व्यापक छापेमारी की। ग्राम बड़गांव थाना तमनार, धरमपुरा थाना चक्रधरनगर, बिंजकोट थाना चक्रधरनगर और कर्रानारा थाना खरसिया के आसपास अवैध शराब निर्माण स्थलों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध भट्टियों को नष्ट करते हुए कुल 344 लीटर महुआ शराब और 1705 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में भीषण आग

खेती परीक्षण को भारी नुकसान, घंटों बाधित रही बिजली; 20 लाख से ज्यादा का नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार देर रात भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के हॉस्टल क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद विश्वविद्यालय और हॉस्टल की बिजली कई घंटों तक बाधित रही, जिससे छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। इस घटना में 20 लाख से अधिका नुकसान होना बताया जा रहा है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है।

20 लाख से अधिक का नुकसान

जानकारी के अनुसार आग विश्वविद्यालय परिसर के उस हिस्से में लगी, जहां खेती परीक्षण और कृषि अनुसंधान से जुड़ी फसलें और सामग्री रखी गई थीं। देखते ही देखते आग ने कई एकड़ क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की लपटें और धुआं दूर तक दिखाई देने लगा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इस घटना में खेती परीक्षण से जुड़ी फसलों और उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचा है। करीब 20 लाख रुपए से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

फायर ब्रिगेड को लेट दी गई सूचना

विश्वविद्यालय के छात्रों के अनुसार, आग लगने के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से तुरंत दमकल विभाग को सूचना नहीं दी गई। छात्रों का कहना है कि मामले को दबाने की कोशिश में फायर ब्रिगेड को देर से जानकारी दी गई।

इस दौरान विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी और छात्र खुद ही आग बुझाने में जुटे रहे। घंटों तक पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई, लेकिन आग लगातार फैलती रही।

स्थिति बिगड़ने के बाद दमकल को दी गई सूचना

स्थिति बिगड़ने के बाद आखिरकार फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर टीम ने आसपास के हिस्सों में आग फैलने से भी रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

आगजनी के कारण हॉस्टल की बिजली रातभर बाधित रही। विश्वविद्यालय परिसर में आग लगने के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हैं।

गांजा के साथ उत्तरप्रदेश के 2 तस्कर गिरफ्तार रेलवे स्टेशन के पास बिक्री की फिराक में थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश के दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 5 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। आरोपियों का नाम पुलिस ने इटावा निवासी विवेक पाल और गाजियाबाद निवासी मंजीत पांडेय बताया है।

रायपुर कमिश्नरेट के अधिकारियों के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गंज थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन एक्सप्रेस-वे रोड स्थित पानी टंकी के पास दो युवक बैग में गांजा रखे हुए हैं और उसे बेचने की फिराक में हैं।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अधिकारियों के निर्देशन में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्धों की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने लगे, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम विवेक पाल (22) निवासी इटावा और मंजीत पांडेय (25) निवासी गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश बताया। तलाशी लेने पर आरोपियों के बैग से कुल 5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपियों पर नारकोटिक एक्ट के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। जल्द ही इस मामले में और खुलासे होने की संभावना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक से लूट

चाकू की नोक पर छीना मोबाइल , पासवर्ड पूछकर खाते से 14 हजार उड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक युवक के साथ लूट की वारदात सामने आई है। गोकुल नगर इलाके में तड़के सुबह बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक को चाकू की नोक पर धमकाकर उसका मोबाइल लूट लिया।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने मोबाइल का पासवर्ड भी हासिल कर लिया और कुछ ही देर में उसके बैंक खाते से करीब 14 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़िता का नाम पुलिस ने यशवंत साहू बताया है।

टिकरापारा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोकुल नगर निवासी यशवंत साहू 23 अप्रैल की सुबह करीब 4:45 बजे रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे।

वे गोकुल नगर गार्डन की ओर जा रहे थे, तभी गार्डन गेट के पास बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक पहुंचे और उन्हें रोक लिया। इससे पहले कि यशवंत कुछ समझ पाते, आरोपियों ने चाकू दिखाकर उन्हें डराया और उनका मोबाइल फोन छीन लिया।

पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने सिर्फ मोबाइल ही नहीं छीना, बल्कि जबरन उसका पासवर्ड भी पूछ लिया। इसके बाद आरोपियों ने मोबाइल बैंकिंग ऐप का इस्तेमाल कर उसके खाते से करीब 14 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए। पूरी वारदात कुछ ही मिनटों में अंजाम दी गई और आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद यशवंत साहू ने टिकरापारा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज

टिकरापारा पुलिस के विवेचना अधिकारियों ने बताया, कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेलवे स्टेशन पर मचा हड़कंप, सूटकेस में गौमांस लेकर पहुंची महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पुलिस ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन से सूटकेश में गौमांस ले जा रही दो महिलाओं को पकड़ा है। दोनों महिलाएं रायपुर की ओर से बिलासपुर पहुंची थीं और अपने साथ सूटकेश में लगभग 10 किलो से अधिक गौमांस भरकर ला रही थीं।

पुलिस को सूचना मिली थी, कि बिलासपुर रेलवे स्टेशन में दो महिलाएं गौमांस लेकर पहुंची है, पुलिस ने चेकिंग की, तो संदेह हुआ, जिसके बाद सूटकेश की तलाशी ली गई। तलाशी में गौमांस मिलने पर दोनों महिलाओं को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने सूटकेश में गौमांस होने की बात स्वीकार कर ली है।

जानकारी मिलते ही कुछ गौसेवक भी थाने के बाहर एकत्रित हो गए, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। तोरवा थाना पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गौमांस कहां से लाया गया था और इसका उद्देश्य क्या था। जानकारी के मुताबिक दोनों महिलाएं शहर के मगरपारा इलाके की रहने वाली है और पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस गौमांश के पीछे कोई सिंडिकेट काम कर रहा है या फिर वजह कुछ और है। फिलहाल तोरवा पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी है।

रायपुर में बाइक सवार ने महिला से चेन लूटी

घर के बाहर पानी भरने गई महिला से वारदात, पता पूछने के बहाने रोका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में चेन स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। खम्हारडीह इलाके में घर के बाहर पानी भर रही महिला से अज्ञात बदमाश ने सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता का नाम हेमलता वैध है। खम्हारडीह पुलिस के अनुसार घटना सुबह 6:40 बजे की है। शंकर नगर स्थित चावला टॉवर के पास रहने वाली हेमलता वैध 29 अप्रैल की सुबह करीब 6:40 बजे अपने घर के मुख्य गेट के पास पानी भरने के लिए पाइप लगा रही थीं।

इसी दौरान एक युवक उनके पास आया और गोलछा अपार्टमेंट का पता पूछने लगा। महिला ने उसे पता बताया और जैसे ही वह अंदर जाने के लिए मुड़ीं, आरोपी ने पीछे से दौड़कर उनके गले में पहनी करीब 2 तोला वजनी सोने की चेन झपट ली।

90 हजार की थी चेन

अचानक हुई इस वारदात से महिला घबरा गईं और उन्होंने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर परिजन और आसपास मौजूद गार्ड मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो चुका था। बताया जा रहा है कि झपटी गई सोने की चेन की कीमत करीब 90 हजार रुपए है।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। पुलिस को आशंका है कि आरोपी पहले से इलाके की रेकी कर चुका था। फिलहाल अज्ञात आरोपी के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रायपुर पुलिस का ऑपरेशन तलाश, 226 गुमशुदा सुरक्षित बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अप्रैल माह में चलाए गए ऑपरेशन तलाश अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। परिजनों की शिकायतों के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान में पश्चिम क्षेत्र के 9 थानों की समन्वित कार्रवाई से कुल 226 गुमशुदा लोगों को खोजा गया, जिनमें 213 वयस्क और 13 नाबालिग बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने विशेष रूप से नाबालिगों की सुरक्षित बरामदगी को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की।

पश्चिम जोन के अफसरों ने चलाया अभियान

यह अभियान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में संचालित हुआ। आजाद चौक, सरस्वती नगर, कबीर नगर, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, न्यू राजेंद्र नगर, टिकरापारा और मुजगहन थाना क्षेत्रों में लगातार टीमों का गठन कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तकनीकी संसाधनों, मुखबिर तंत्र और फील्ड इंटेलिजेंस के माध्यम से गुमशुदा लोगों तक पहुंच बनाई गई। थाना-वार प्रदर्शन में डीडी नगर पुलिस सबसे आगे रही, जहां 80 वयस्क और 2 नाबालिग सहित कुल 82 लोगों को खोज निकाला गया। टिकरापारा थाना ने भी बेहतर काम करते हुए 53 लोगों की दस्तयाबी की, जिनमें 2 नाबालिग शामिल हैं। पुरानी बस्ती थाना में 27 लोगों को तलाशा गया, जिनमें 3 नाबालिग बच्चे शामिल हैं। वहीं कबीर नगर में 10, आमानाका में 18, न्यू राजेंद्र नगर में 17, मुजगहन में 11, आजाद चौक में 6 और सरस्वती नगर में 2 लोगों को सुरक्षित बरामद किया गया। सभी मामलों में गुमशुदा व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाया गया, जिससे उनके परिवारों में खुशी का माहौल रहा।

ऑपरेशन तलाश का उद्देश्य गुमशुदा लोगों को मिलाना

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा ने बताया कि ऑपरेशन तलाश का उद्देश्य गुमशुदा लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित ढूंढकर परिवारों से मिलाना है। अभियान की सफलता पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संतोष जताते हुए कहा कि आगे भी इस तरह के विशेष अभियान चलाए जाएंगे, ताकि गुमशुदगी के मामलों में तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

आईपीएल सट्टा: 3 ठिकानों से सटोरियों को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आईपीएल सीजन के दौरान खरसिया में पकड़े गए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के तीनों मामलों ने सट्टेबाजी के नए और तकनीकी स्वरूप को सामने लाया है।

डभरा रोड से अजय उर्फ रिंकू अग्रवाल, गली रोड क्षेत्र से अंकित अग्रवाल और नया मंगल बाजार शेड से नरेंद्र राठौर की गिरफ्तारी के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि तीनों एक ही तरह के लाइव डिजिटल सिस्टम पर सट्टा संचालित कर रहे थे।

पुलिस कार्रवाई में भले ही अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तारी हुई हो, लेकिन तीनों मामलों में सट्टा चलाने का तरीका पूरी तरह समान मिला। आरोपियों के पास से जब्त मोबाइल फोन की जांच में सामने आया कि वाट्सएप ग्रुप और वेबसाइट के जरिए लोगों को जोड़ा जाता था, जहां वे लाइव मैच के दौरान दांव लगाते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि सट्टा अब पहले की तरह तय रेट पर नहीं चलता। मैच के दौरान हर बॉल, हर ओवर और हर घटना के साथ रेट बदलता रहता है।

ऑपरेटर इन रेट्स को तुरंत अपडेट करते हैं और उसी आधार पर दांव स्वीकार किए जाते हैं। यानी पूरा सिस्टम रियल टाइम पर काम करता है, जिसमें देरी की कोई गुंजाइश नहीं होती।

4 साल की मासूम बच्ची के साथ रेप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। 4 साल की मासूम बच्ची के साथ रेप की वारदात हुई है। 32 साल के दरिंदे ने घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है। गंभीर हालत में बच्ची को एम्स रेफर किया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पीएचसी के बाहर खूब हंगामा किया। आरोपी राजा वर्मा को हिरासत में ले लिया गया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक बच्ची अपने मामा के यहाँ शादी में तिल्दा-नेवरा के बहेसर गाँव शादी में आई थी, तभी मोहल्ले के युवक ने ये घिनौनी हरकत की। लोगों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सुशासन तिहार 2026

सुशासन तिहार 2026

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

01 मई से 10 जून 2026

गाँव-गाँव, द्वार-द्वार सुशासन की सरकार

- जिला स्तर पर लंबित प्रकरणों, जमीन संबंधी मामलों एवं प्रमाण–पत्र से जुड़ी समस्याओं का निराकरण
- ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन

उद्देश्य

- समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध समाधान
- विकास कार्यों को मिलेगी गति
- जन-कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन
- पारदर्शिता और जवाबदेही से 'जनकल्याण' होगा सुनिश्चित

संवाद से संपूर्ण समाधान

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

RO- 47670/109

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950